विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 23 जून 2020

वर्ग सप्तम **राजेश कुमार पाण्डेय**

सन्धि - प्रकरणम्

सन्धि - दो वर्णों के अधिक समित होने पर उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे 'संधि' कहते हैं।

जैसे - हिम + आलय - हिमालयः

रवि + इन्द्र - रविन्द्रः

महा + इन्द्र - महेन्द्रः

महा + ऋषिः - महर्षिः

सन्धि के मुख्य तीन भेद हैं -

सन्धि

स्वर - सन्धि - दो स्वरों के परस्पर मेल होने पर जो सन्धि होती है उसे स्वर सन्धि कहते हैं।

व्यञ्जन - सन्धिः - जब व्यञ्जन का किसी स्वर या व्यञ्जन से मेल होता है तब उनमें जो परिवर्तन होता है उसे व्यञ्जन संधि करते हैं।

विसर्ग - सन्धि - जब विसर्ग का किसी स्वर या व्यञ्जन के साथ मेल होता है तब उसमें जो परिवर्तन होता है उसे विसर्ग - संधि कहते हैं।

सप्तमी कक्षा के पाठ्यक्रम में केवल स्वर - सन्धि है। अतः यहाँ केवल स्वर - सन्धि का विस्तृत विवेचन किया जा रहा है।

स्वर - सन्धिः - दो स्वरों के अत्यधिकं समीप होने पर जो विकार या परिवर्तन होता है, उसे स्वर - सन्धि कहते हैं।

स्वर - सन्धि के आठ - भेद हैं।

1. दीर्घ - सन्धिः 2. गुण - सन्धिः 3. वृद्धि – सन्धिः

4. यण् - सन्धिः 5. अयादि - सन्धिः 6. पूर्वरूप - सन्धिः

7. पररूप - सन्धि 8. प्रकृतिभावः